ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:23.08.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-08-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	24/08/2024	25/08/2024	26/08/2024	27/08/2024	28/08/2024
वर्षा (मीमी)	35.0	40.0	45.0	45.0	50.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	33.0	34.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	24.0	24.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	84	86	81	88	79
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	61	60	52	64	60
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	10	8	9	18	12
पवन दिशा (डिग्री)	320	350	50	50	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	8	6	6

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (16 से 22 अगस्त) इस क्षेत्र में 150.0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.5 से 34.5 डिग्री सेल्सियस और 23.5 से 27.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 86-97% और 67-86% के बीच रही, जबकि हवा उत्तर-पूर्व, उत्तर-पूर्व-उत्तर, पूर्व, उत्तर-उत्तर-पूर्व और पूर्व-उत्तर-पूर्व से 2.1-5.5 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन बादल छाए रहे। आगामी पूर्वानुमान से पता चलता है कि 23-27 अगस्त तक 35-50 मिमी की मध्यम वर्षा होगी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0-34.0oC और 22.0-24.0oC के बीच भिन्न होने की उम्मीद है। हवा 8-18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-उत्तर, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की उम्मीद है। 23 और 24 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर और 25 से 29 अगस्त तक कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 23-29 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश/तूफान के साथ बिजली गिरने/तीव्र से बहत तीव्र बारिश की घटना के संबंध में एक पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 123.08.2024 से 29.08.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम तापमान तथा न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, अलग-अलग स्थानों पर मध्यम वर्षा के साथ तीव्र वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और अन्य कृषि गतिविधियों को तदनुसार विलंबित/निर्धारित किया जाये।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वानस्पतिक	धान में कहीं-कहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जिन खेतों में पंक्तियों के अगले भाग सूखकर सफेद हो गये हों या पंक्तियो के दोनों किनारे ऊपर से नीचे की ओर सूखते हुये सफेद हो रहे हों वहाँ खेतों में काॅपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
खरीफ मक्का	वानस्पतिक	फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रा नीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
मूंग/उर्द	बुवाई	ताजा बोए गए भूखंडों में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए, जबकि पिछले महीने बोई गई फसल में खेती की गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
मूंगफली	वानस्पतिक	मूंगफली में बुवाई के 15 -20 दिनों के अंतराल पे निराई कर लेनी चाहिए और खरपवारों को रासायनिक विधि से नष्ट करने के लियेलिए पेंडीमिथलीन 30 ई. सी., 3. 3 ली. या एलाक्लोर 50 ई. सी. की 4 ली. मात्रा को 500 -700 लीटर पानी मे घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के जमाव से पूर्व छिड़कना चाहिए। जिप्सम की शेष मात्रा तथा बोरेक्स की सम्पूर्ण मात्रा फसल की 3 सप्ताह की अवस्था में टॉप ड्रेसिंग के रूप में बिखेर कर प्रयोग करें तथा हल्की गुड़ाई करके 3 -4 से मी गहराई तक मिट्टि में भली प्रकार मिला ले। कोई भी रासायनिक छिड़काव तथा खेती गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
गना	वानस्पतिक	आवश्यकताअनुसार फसल की दूसरी बंधाई कर लेनी चाहिए और वह पहली बंधाई के 50 से मी ऊपर होनी चाहिए। दो पंक्तियों के तीन थानों की बंधाई एक साथ (कैंची बंधाई) कर लेनी चाहिए। सफ़ेद गिडार/ कुरमुला कीट के नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 40

		प्रतिशत तथा इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लू जी को 200 ग्राम/प्रति एकड़ की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में प्रयोग करें। जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और विशेष रूप से रासायनिक अनुप्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	रोपाई	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में किसी भी प्रकार के रासायनिक प्रयोग में देरी करनी चाहिए। फूलगोभी की मध्य-मौसम किस्मों की रोपाई की जा सकती है और अगेती किस्मों में नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
कद्दु वर्गीय फसलों	तुड़ाई करना/फल बनना	पकी हुई कद्दू वर्गीय फसल को सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करना चाहिए तथा खड़ी फसल में अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर पत्तियों को पलट कर जांच करनी चाहिए तथा यदि पत्तियों के निचले भाग में हल्के भूरे रंग की फफूंद की वृद्धि हो तो उसे मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर के दर से नियंत्रित करना चाहिए।। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रसायन का छिड़काव करना चाहिए।
आम		इस माह आम में जाला बनाने वाला टेन्ट कैटरपिलर कीट का भी प्रकोप होता है इसलिए जाला छुड़ाने वाले यंत्र से जाले को साफ करे। एवं प्रभावित प्ररोहो को काटकर कीड़ो सहित जला दे। सारी खेती पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोेटूघोेटूरोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।